Raniganj Girls' College

4th semester Programme

BAPHINC401

हिन्दी गद्य साहित्य

Time-2 hours **Full Marks-40**

1. निम्नलिखित किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **1x 5=5**

क) दौड़ के अतिरिक्त ममता कालिया के एक उपन्यास का नाम बताइए।

ख) जूठन किसकी रचना है?

ग) भारतेंदु द्वारा रचित एक नाटक का नाम लिखिए।

घ) प्रहसन कहने से आप क्या समझते हैं ?

ङ) पूस की रात कहानी के रचनाकार कौन है ?

च) एक हास्य-व्यंग निबंधकार का नाम लिखिए ?

छ) किसी एक समकालीन महिला उपन्यासकार का नाम बताइए।

ज) अंधेर नगरी का प्रकाशन किस वर्ष हुआ था?

2. निम्नलिखित में से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **2x 5=10**

क) अंधेर नगरी नाटक के दो पात्रों का नाम लिखिए।

ख) प्रेमचंद के बचपन का नाम क्या था? प्रेमचंद उर्दू में किस नाम से रचना करते थे?

ग) दौड़ उपन्यास का मुख्य विषय क्या है?

घ) ओमप्रकाश वाल्मीकि के दो रचनाओं के नाम लिखिए।

ङ) बेटों वाली विधवा किसकी रचना है? इसकी प्रमुख पात्रों का नाम लिखिए।

च) हरिशंकर परसाई के दो निबंध संग्रह के नाम बताइए ।

छ) प्रेमचंद की दो कहानियों के नाम लिखिए।

ज) हिंदी कहानी: उद्भव और विकास तथा हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा किसके द्वारा रचित है?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीनगद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **3x5= 15**

क) " सेत सेत सब एक से जहाँ कपूर कपास।

ऐसे देस कुदेस में कबहुँ ना कीजै बास।। "

ख) " मुंह में कालिख लगी कि नहीं या अभी कुछ और कसर बाकी है डूब मरो सब के सब जाकर चुल्लू भर पानी में शहर में कहीं मुंह दिखाने लायक भी नहीं रहे। "

ग)" दरअसल बाजार के अर्थशास्त्र में नैतिकता जैसे शब्द लाकर राजुल तुम सिर्फ कन्फ्यूजन फैला रही हो मैं अब तक 500 किताबे तो मैनेजमेंट और मार्केटिंग पर पड़ी होगी उनमें नैतिकता पर कोई चैप्टर नहीं है। "

घ) " बांधा है सरकार यह देखिए । उसने आस्तीन चढ़ाकर ताबीज दिखा दिया। राजा असमंजस में पड़ गए।फिर ऐसा कैसे हो गया? उन्होंने ताबीज पर कान लगाकर सुना। ताबीज में से स्वर निकल रहे थे- अरे आज इकत्तीस है आज तो ले ले! "

ङ) " द्वार पर नीम का वृक्ष सिर झुकाए निस्तब्ध खड़ा था, मानो संसार की गति पर छुब्ध हो रहा हो।अस्ताचल की ओर प्रकाश और जीवन का देवता फूलमती के मातृत्व की ही भांति अपनी चिता में जल रहा था "

च) "उसकी स्वामिनी कल्पना इसी त्याग के लिए इसी आत्मसमर्पण के लिए जैसे कोई मार्ग ढूंढती रहती थी। अधिकार या लोभ या ममता की वहाँ गंध तक न थी। त्याग ही उसका आनंद और त्याग ही उसका अधिकार है। आज अपना खोया हुआ अधिकार का कर अपनी सिरजी हुई प्रतिमा पर अपने प्राणों की भेंट करके वह निहाल हो गयी।"

4.निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए। **1x10= 10**

क)अंधेर नगरी नाटक का मूल उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

ख) 'बेटों वाली विधवा' कहानी का प्रतिपद्य अपने शब्दों में लिखिए।

ग) 'सदाचार का ताबीज' मैं प्रस्तुत लेखक के विचार अपने शब्दों में लिखिए।